SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

वट वृक्ष

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता

समाचार-पत्र, अक्टूबर-दिसंबर 2024

महानिदेशक की कलम से

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता
तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्पलेक्स,
पाँचवाँ तल, ए-विंग, डी.एफ. ब्लाक,
सॉल्ट लेक, सेक्टर- 1,
कोलकाता-700 064

REGIONAL CAPACITY BUILDING & KNOWLEDGE INSTITUTE, KOLKATA
3rd MSO Building, CGO Complex,
5th Floor, 'A' Wing, DF Block,
Salt Lake, Sector-I,
Kolkata-700 064

प्रिय पाठक,

मुझे वित्तीय वर्ष 2024-25 के समाचार-पत्र "वट वृक्ष" के तृतीय संस्करण प्रस्तुत करते प्रसन्नता हो रही है। इस संस्करण में कोलकाता के ऐतिहासिक जनरल पोस्ट ऑफिस (जी.पी.ओ) को दर्शाया गया है, जो शहर की समृद्ध वास्तुकला विरासत का प्रमाण है।

गवर्नर-जनरल वारेन हेस्टिंग्स द्वारा 1774 में स्थापित, कोलकाता जीपीओ को भारत का पहला जनरल पोस्ट ऑफिस होने का गौरव प्राप्त है। वर्तमान राजसी संरचना को वास्तुकार वाल्टर बी. ग्रेनविले ने डिजाइन किया था। अपनी भव्य ऊंची गुंबददार छत और ऊंचे कोरिंथियन खंभो के लिए प्रसिद्ध, जीपीओ पहले फोर्ट विलियम के स्थान पर स्थित है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को बढ़ाता है।

इस तिमाही के दौरान, हमने कई अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान, पटना के सहयोग से अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, हमने अनुपालन लेखापरीक्षा, फोरेंसिक लेखापरीक्षा, सुरक्षा ऑडिट, एमसीटीपी लेवल-3, एमसीटीपी लेवल-2, उन्नत एमएस एक्सेल, डेटाबेस अवधारणाएं, एसक्यूएल, आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किया।

इस समाचार पत्र के माध्यम से हम अपने पाठकों को इस संस्थान के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशिक्षण सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु आपका सहयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण सामग्री में सुधार/संशोधन हेतु हम आपके विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं।आप rtikolkata@cag.gov.in साइट के जरिए हमसे जुड़ सकते हैं।

शरत चतुर्वेदी
महानिदेशक
क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं,कोलकाता

विषय-सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ
1.	क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक 2024	4
2.	सतर्कता सप्ताह 2024	6
3.	ऑडिट दिवस 2024	7
4.	हिंदी कार्यशाला	9
5.	प्रशासनिक विषयों पर प्रशिक्षण	10
6.	अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	11
7.	एमसीटीपी लेवल-3 और एमसीटीपी लेवल-2	15
8.	अनुपालन ऑडिट पर प्रशिक्षण	17
9.	डाटाबेस अवधारणाओं और एसक्यूएल पर प्रशिक्षण	19
10.	एमएस एक्सेल एडवांस पर प्रशिक्षण	20
11.	तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	21
12.	इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढ़ाचा उपलब्ध कराया गया।	22
13.	एसटीएम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ	22
14.	उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि. के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण दिया गया:	23
15.	संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)	24
16.	विशेषज्ञ/पेशेवर संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि. से बाह्य)	25
17.	स्वतंत्र/विशेषज्ञ संकाय सदस्य	26
18.	इन-हाउस संकाय सदस्य	26
19.	प्रश्नोत्तरी और प्रश्नोत्तरी के उत्तर	27

क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक 2024

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान (क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं), कोलकाता में मध्यावधि क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक 18 अक्टूबर 2024 को हुई, बैठक की अध्यक्षता क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के महानिदेशक श्री शरत चतुर्वेदी ने की।

महानिदेशक ने सभी आरएसी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया और बैठक के एजेंडे पर चर्चा शुरू की। बैठक के मुख्य बिंदुओं में सामान्य प्रशिक्षण में 100% स्लॉट उपयोग और आईटी प्रशिक्षण में 97.73% स्लॉट उपयोग शामिल था, साथ ही संकाय के रूप में सेवारत आईए एंड एएस अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण संख्या शामिल थी।

आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा के दौरान, आरएसी सदस्यों ने आगामी सत्रों में शामिल किए जाने वाले विषयों के लिए मूल्यवान सुझाव दिए तथा उनकी प्रासंगिकता और प्रभाव को विशेष रूप से महत्व दिया।

श्री शरत चतुर्वेदी, महानिदेशक ने आरएसी बैठक की अध्यक्षता की

आरएसी बैठक की क्लिप

सतर्कता सप्ताह 2024

सतर्कता सप्ताह 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक मनाया गया, जो सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक आवश्यक मंच के रूप में कार्य करता है। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने 2024 के लिए विषय "राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति" चुनी है। ″

सतर्कता सप्ताह के दौरान, संस्थान ने सतर्कता सप्ताह मनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया, जिसमें ईमानदारी के मूल्यों को बनाए रखने और भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी शासन प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

सतर्कता सप्ताह 2024 के दौरान शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेते हुए आरसीबीकेआई ,कोलकाता के अधिकारी और कर्मचारीगण।

ऑडिट दिवस 2024

चतुर्थ लेखापरीक्षा दिवस 16 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के कार्यालय के साथ-साथ सीएजी के क्षेत्रीय कार्यालयों में भी मनाया गया। इस आयोजन के महत्व को बढ़ाने के लिए, हमारे संस्थान ने पूरे सप्ताह लेखापरीक्षा दिवस मनाया, जिसका उद्देश्य हितधारकों और व्यापक जनता को शामिल करना था, साथ ही सुशासन को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना था।

इस अवसर पर, चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री देवर्षि भुवालका ने आरसीबी एंड केआई, कोलकाता के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने ऑडिटिंग के महत्व, इस क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं और सुशासन व जवाबदेही को सुदृढ़ करने में ऑडिट की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने मूल्यवान विचार साझा किए।

ऑडिट दिवस, 2024 के अवसर पर, चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री देवर्षि भुवलका आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता के अधिकारियों को संबोधित करते हुए।

ऑडिट दिवस 2024

ऑडिट दिवस 2024 समारोह की एक झलक

हिंदी कार्यशाला

सरकारी कर्मचारियों को हिंदी में काम करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य उन कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना है जो हिंदी जानते तो हैं, लेकिन हिचकिचाहट के कारण या आत्मविश्वास की कमी के कारण कार्यालयीन कामकाज में इसका प्रयोग नहीं कर पाते। इन कार्यशालाओं में मुख्यतः हिंदी में सरकारी कामकाज का अभ्यास कराया जाता है।

27 दिसंबर, 2024 को संस्थान में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एक वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी और दो सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। इस सत्र के लिए अतिथि संकाय के रूप में श्री चंद्र गोपाल शर्मा, सेवानिवृत्त उप प्रबंधक (राजभाषा), पूर्व रेलवे, कोलकाता को आमंत्रित किया गया था।

27 दिसंबर 2024 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में भाग लेते अधिकारीगण

प्रशासनिक विषयों पर प्रशिक्षण

क्षेत्रीय उपयोगकर्ता कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक एवं स्थापना मामलों, कार्यालय प्रक्रिया, कानूनी विषयों और अनुशासनात्मक कार्यवाहियों पर प्रशिक्षण 21 से 25 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कार्यालय प्रशासन और स्थापना का अवलोकन, बजट अनुमान (बी.ई) और संशोधित अनुमान (आर.ई.) की तैयारी, सार्वजनिक शासन में नैतिकता और मूल्य, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आचार संहिता, सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965, अनुशासनात्मक कार्यवाही, सूचना का अधिकार अधिनियम, जीईएम के माध्यम से खरीद, कानूनी मामले, और आईएएंडएडी में न्यायालयी प्रकरण आदि जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया। पाठ्यक्रम का समापन एक मॉक टेस्ट के साथ हुआ, जिसके बाद समापन समारोह आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की और इसे 9.28 की प्रभावशाली रेटिंग प्रदान की।

प्रशासनिक मुद्दों पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई, कोलकाता

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान (आरसीबी एवं केआई), कोलकाता को परिवहन क्षेत्र में विशेषज्ञता सौंपी गई है। परिणामस्वरूप, संस्थान आईए एवं एडी के अधिकारियों और कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए समर्पित है। इसी लक्ष्य के अनुरूप, राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (निनी), पटना के सहयोग से 3 दिसंबर से 5 दिसंबर, 2024 तक "अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन" पर एक विशेष तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन आरसीबी एवं केआई के महानिदेशक द्वारा किया गया, जिन्होंने भारत में अंतर्देशीय जलमार्ग प्रणाली के महत्व और परिवहन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। इसके बाद उन्होंने सत्र विशेषज्ञ संकाय सदस्यों, कैप्टन डॉ. आई.वी. सोलंकी, परियोजना प्रबंधक, और कैप्टन श्री अजय श्रीवास्तव, निनी, पटना को सौंप दिया।

सम्मानित संकाय सदस्यों ने विविध विषयों पर विस्तृत चर्चा की, जिसमें अंतर्देशीय जलमार्ग प्रणाली का परिचय, इसमें शामिल हितधारकों और संबंधित प्राधिकरणों की समझ, तथा जलमार्गों के विकास और प्रबंधन में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) की भूमिका शामिल थी। इसके अतिरिक्त, सत्रों में अंतर्देशीय पोत अधिनियम, 2021 और उससे संबंधित नियमों और विनियमों का अवलोकन प्रदान किया गया। अन्य विषयों में जलमार्गों के निर्माण और प्रबंधन, संबंधित परियोजनाओं की वित्तीय रूपरेखा, पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक लाभ, तथा सुधार हेतु सुरक्षा उपकरणों और तकनीकों के उपयोग पर चर्चा की गई।

आईडब्ल्यूएआई, कोलकाता शाखा द्वारा एक फील्ड विजिट का आयोजन किया गया, जिसने प्रतिभागियों को जलमार्गों में बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी के उपयोग और सुरक्षा उपायों को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्रदान किया। निनी, पटना द्वारा भागीदारी प्रमाण पत्र जारी किए गए। इस पाठ्यक्रम को 9.61 की प्रभावशाली रेटिंग प्राप्त हुई, जो कार्यक्रम और इसके महत्व के प्रति प्रतिभागियों के सम्मान को दर्शाती है।

श्री शरत चतुर्वेदी, महानिदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता, अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान

श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई कैप्टन डॉ. आई.वी. सोलंकी, परियोजना प्रबंधक, नीनी, पटना (बाएं) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए, और श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई कैप्टन श्री अजय श्रीवास्तव, नीनी, पटना (दाएं) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए।

विशेषज्ञ संकाय सदस्य कैप्टन डॉ. आई.वी. सोलंकी और कैप्टन श्री अजय श्रीवास्तव, अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान देते हुए।

विशेषज्ञ संकाय सदस्य कैप्टन डॉ. आई.वी. सोलंकी और कैप्टन श्री अजय श्रीवास्तव तथा आरसीबीएंडकेआई के वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी श्री दीपक कुमार सिंह, अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ।

श्री आर.के. सिंह, निदेशक, आईडब्ल्यूएआई, कोलकाता, कैप्टन श्री अजय श्रीवास्तव, नीनी, पटना, और श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीएंडकेआई, क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान आईडब्ल्यूएआई और आरसीबीएंडकेआई अधिकारियों के साथ

श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी आरसीबीएंडकेआई, आईडब्ल्यूएआई, कोलकाता शाखा के निदेशक श्री आर.के. सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन पर एआईटीपी के प्रतिभागी और आरसीबीएंडकेआई के अधिकारियों ने हावड़ा ब्रिज की पृष्ठभूमि में एक फील्ड ट्रिप में भाग लिया।

श्री शरत चतुर्वेदी, महानिदेशक, आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता, कैप्टन श्री अजय श्रीवास्तव, नीनी, पटना और कोर संकाय सदस्य, आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता के प्रतिभागियों के साथ।

एमसीटीपी लेवल-3 और एमसीटीपी लेवल-2

विभाग में एक निश्चित अवधि तक सेवा प्रदान करने वाले वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2021 से शुरू हुआ। विभाग के अधिकारियों में व्यावसायिकता, निष्पक्षता और दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से, इस संस्थान ने नवंबर 2024 में एमसीटीपी लेवल-3 एवं दिसंबर 2024 में एमसीटीपी लेवल -2 प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना था, जिसमें हितधारकों के साथ संचार रणनीति, आंतरिक नियंत्रण, धोखाधड़ी का पता लगाना, जेम विशेषताएँ और आईटी वातावरण में लेखापरीक्षा आदि विषय शामिल थे। प्रतिभागियों ने भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के केंद्रीय संग्रहालय की स्थानीय यात्रा का भी आनंद लिया। प्रतिभागियों ने सत्रों और गतिविधियों की सराहना की।

श्री शरत चतुर्वेदी, महानिदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता 20.11.2024 से 26.11.2024 तक आयोजित एमसीटीपी लेवल-3 के उद्घाटन के दौरान।

श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के निदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के केंद्रीय संग्रहालय के स्थानीय भ्रमण के दौरान एमसीटीपी लेवल-2 के प्रतिभागियों के साथ।

अनुपालन लेखापरीक्षा पर प्रशिक्षण

अनुपालन लेखापरीक्षा सरकारी निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में अखंडता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह सुनिश्चित करती है कि सरकारी निधि का उपयोग कानूनी रूप से और जिम्मेदारीपूर्वक किया जाए। इस प्रक्रिया के माध्यम से, सीएजी पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करते हैं, क्षेत्रीय उपयोगकर्ता कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अनुपालन लेखापरीक्षा के प्रमुख पहलुओं पर केंद्रित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अनुपालन लेखापरीक्षा के मूलभूत सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिसमें अनुपालन लेखापरीक्षा दिशानिर्देश शामिल थे। इसमें योजना निर्माण, कार्यान्वयन, रिपोर्टिंग और अनुवर्ती आश्वासन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को शामिल किया गया।

श्री सतीश कुमार गर्ग, प्रधान महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I) राजस्थान, जयपुर, दिनांक 04.11.2024 से 08.11.2024 तक आयोजित अनुपालन लेखापरीक्षा प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के साथ।

प्रशिक्षण में ऑडिट डिज़ाइन मैट्रिक्स, एंट्री कॉन्फ्रेंस और एग्जिट मीटिंग में शामिल प्रक्रियाओं और इन बैठकों के आयोजन हेतु कार्यवृत्त तैयार करने को भी शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने ऑडिट करना, निरीक्षण रिपोर्ट (आईआर) तैयार करना, ऑडिट मानदंड स्थापित करना और अनुपालन ऑडिट में ऑडिट साक्ष्य की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त की। विश्वसनीय अनुपालन ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने में मजबूत ऑडिट साक्ष्य के महत्व पर जोर दिया गया, इसके साथ ही, ऑडिट प्रलेखन और कार्य पत्रों के महत्व को भी समझाया गया। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण में ऑडिट फाइंडिंग मैट्रिक्स का उपयोग कर ऑडिट मुद्दों के प्रभावी वर्गीकरण पर चर्चा की गई और आईटी वातावरण में लेखापरीक्षा के लिए कंप्यूटर-सहायता प्राप्त लेखापरीक्षा तकनीकों की भूमिका पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में इन अवधारणाओं की समझ को बढ़ाने के लिए एक केस स्टडी को शामिल किया गया था। इस पाठ्यक्रम को 9.85 की उत्कृष्ट सकारात्मक रेटिंग प्राप्त हुई, जो प्रशिक्षण की उच्च गुणवत्ता और प्रभावशीलता को दर्शाती है।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, अनुपालन लेखापरीक्षा प्रशिक्षण के दौरान।

डाटाबेस अवधारणाओं और एसक्यूएल पर प्रशिक्षण

लेखापरीक्षा के संदर्भ में, डाटाबेस अवधारणाएँ और एसक्यूएल लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की दक्षता, सटीकता और उसके विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेखापरीक्षक डाटाबेस और एसक्यूएल का उपयोग करके वित्तीय, परिचालन और अनुपालन डाटा को पुनः प्राप्त, विश्लेषण और सत्यापित कर सकते हैं, जिससे लेखापरीक्षा अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित हो जाती है। यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को डाटाबेस और एसक्यूएल से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया था, ताकि वे इन कौशलों का अपने कार्य में प्रभावी रूप से उपयोग कर सकें। इसके अतिरिक्त, विषय की जानकारी प्रदान करने के लिए व्यावहारिक सत्र भी आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों से 9.19 की प्रभावशाली रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसकी उत्कृष्टता और प्रभावशीलता को दर्शाती है।

श्री विकाश कुमार मोहांती, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आईएएंडएडी, डाटाबेस अवधारणा और एसक्यूएल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान।

एमएस एक्सेल एडवांस का प्रशिक्षण

उन्नत एक्सेल कौशल उन लेखापरीक्षकों के लिए अपरिहार्य हैं जिन्हें जटिल डेटासेट का विश्लेषण और प्रबंधन करने की आवश्यकता है। प्रभावशाली कार्य और फ़ार्मुलों का उपयोग करके तथा गतिशील रिपोर्ट बनाकर, एमएस एक्सेल की उन्नत विशेषताएँ लेखापरीक्षा की दक्षता, सटीकता और विश्लेषण क्षमता को बढ़ाती हैं। लेखापरीक्षकों को इन आवश्यक कौशल से लैस करने हेतु उन्नत एमएस एक्सेल और बेसिक एमएस एक्सेल पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम को प्रतिभागियों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

श्री अरुणांगसु मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, मुख्य संकाय, आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता, उन्नत एमएस एक्सेल पर प्रशिक्षण के दौरान।

अक्टूबर से दिसंबर 2024 तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सामान्य पाठ्यक्रम	से	तक
प्रशासनिक और स्थापना संबंधी मामलों के साथ-साथ कार्यालय प्रक्रिया, कानूनी मामलों और अनुशासनात्मक कार्यवाही	25.10.2024	25.10.2024
अनुपालन लेखापरीक्षा	04.11.2024	08.11.2024
धोखाधड़ी और फोरेंसिक की लेखापरीक्षा	13.11.2024	14.11.2024
खान क्षेत्र में फोरेंसिक लेखापरीक्षा और सुरक्षा लेखापरीक्षा (प्रशिक्षण - I)	18.11.2024	18.11.2024
खान क्षेत्र में फोरेंसिक लेखापरीक्षा और सुरक्षा लेखापरीक्षा (प्रशिक्षण - II)	19.11.2024	19.11.2024
एमसीटीपी लेबेल -3	20.11.2024	26.11.2024
एमसीटीपी लेबेल -2	09.12.2024	13.12.2024
सामान्य पाठ्यक्रम (ज्ञा.के.)	**से**	**तक**
अंतर्देशीय जलमार्ग प्रबंधन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	03.12.2024	05.12.2024
आई.एस/ आईटी पाठ्यक्रम	**से**	**तक**
एमएस एक्सेल एडवांस	21.10.2024	25.10.2024
एमएस एक्सेल बेसिक	21.10.2024	23.10.2024
एमएस एक्सेल एडवांस	18.11.2024	22.11.2024
ओआईओएस में अनुवर्ती मॉड्यूल पर प्रशिक्षण	04.12.2024	04.12.2024
डेटाबेस अवधारणाएँ और एसक्यूएल	09.12.2024	13.12.2024

उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया।

क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं,कोलकाता में दो आईटी लैब और एक सम्मेलन कक्ष है। संस्थान उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता करता है। अक्टूबर से दिसंबर 2024 की तिमाही के दौरान, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा- II), पश्चिम बंगाल द्वारा आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता की सुविधा और बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हुए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए:

1. 01.10.2024 को आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण।
2. 03 और 04 अक्टूबर 2024 (पूर्वाह्न) को टेबल्यू, पावर बीआई और आईडिया पर प्रशिक्षण
3. 07.10.2024 को आयोजित AMG II और AMG IV की तिमाही बैठक
4. 15.10.2024 को आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण
5. "आईएसएसएआई के बारे में जागरूकता" और "एमएस एक्सेल एडवांस" पर प्रशिक्षण
6. 04.11.2024 को आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण

एसटीएम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ।

पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के वित्तीय लेखापरीक्षा पर एसटीएम का समकक्ष मूल्यांकन किया गया, और पीआरआई का लेखापरीक्षा पूरा हो गया है। टीजीएस दिशानिर्देशों पर भी काम शुरू हो गया है। इसके अतिरिक्त, रेलवे के वित्त और विनियोग खातों की लेखापरीक्षा और रेलवे के भंडार एवं स्टॉक की लेखापरीक्षा का समकक्ष मूल्यांकन हुआ।

एसएआई शिक्षा प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) के लिए ई-शिक्षण सामग्री (मॉड्यूल) विकसित की गई है, जिसमें पंचायतों के लिए मॉडल अकाउंटिंग सिस्टम और एमएस-वर्ड जैसे विषय शामिल हैं। क्यूरेटेड सामग्री तैयार कर ली गई है, जिसमें पंचायतों के लिए मॉडल अकाउंटिंग सिस्टम के लिए एडोब कैप्टिवेट में एकीकरण प्रक्रिया पूरी हो गई है, जबकि एमएस वर्ड मॉड्यूल को मुख्यालय भेज दिया गया है।

.

उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता के इन-हाउस संकाय सदस्यों ने विभिन्न कार्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा -I), एलएडी, पश्चिम बंगाल
- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा -II), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आयुध निर्माणी), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ई.एस.डी), कोलकाता शाखा
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आर.पी.यू. एवं एम.आर), बर्दवान शाखा
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एस.ई.आर), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एफ.एंड.सी), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा,केन्द्रीय, कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ए.एफ एवं डब्ल्यूआर), कोलकाता
- कार्यालय महालेखाकार (ले.व.ह.), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय,भारत सरकार टकसाल,कोलकाता

कार्यालय, भारत सरकार टकसाल, कोलकाता में प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं

इस संस्थान में प्रशिक्षण देने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)
श्री सतीश कुमार गर्ग, प्रधान महालेखाकार
श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार
श्री मोहम्मद सुहैल फ़ज़ल, उपनिदेशक
श्री सतीश एम., उप महालेखाकार
श्री श्रीराज मधुकर वानी, उप महालेखाकार
श्री सैयद मिराजुल इस्लाम, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
श्री शुभ्रा चक्रवर्ती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री शर्मिष्ठा चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुशोभन चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुभाष बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री अर्पण कुमार मंडल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री एस.के. असगर अली, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सौमित्र मंडल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री बैजयंती चक्रवर्ती, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुमन भद्र, सहायक लेखा अधिकारी
श्री सौरव बनर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

इस संस्थान में प्रशिक्षण देने वाले संकाय सदस्य (सरकारी विभाग/सेवानिवृत्त अधिकारी भा.ले.व.ले.वि/सरकारी विभाग)

राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान, पटना

डॉ. (कैप्टन) इंद्रवीर सोलंकी, परियोजना निदेशक, नीनी, पटना

श्री अजय कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्षेत्र विशेषज्ञ, नीनी, पटना

अन्य (केन्द्रीय) भारत सरकार

श्री राज राजेश, निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक

सुश्री दीप्ति बग्गा, उप लेखा नियंत्रक, सीबीडीटी

श्री सोमप्रकाश महंत, ए.ए.ओ, जेडएओ, सीबीडीटी, कोलकाता

इस संस्थान में प्रशिक्षण देने वाले संकाय सदस्य (विशेषज्ञ/पेशेवर और भा.ले.व.ले.वि. से सेवानिवृत्त)

प्रोफेसर/वैज्ञानिक

श्री सिबा प्रसाद होता, रजिस्ट्रार, आईआईटी इंदौर

डॉ. दीपा मित्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएसडब्ल्यूबी

डॉ. पापिया उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय

डॉ. मुकुल मित्रा, सहायक महाप्रबंधक, प्रिंसिपल, एनएसएचएम

चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एसोसिएट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

भा.ले.व.ले.वि तथा अन्य सरकारी विभागों के सेवानिवृत्त अधिकारी

श्री विकाश कुमार मोहांती, सेवानिवृत्त, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, भा.ले.व.ले.वि.

स्वतंत्र/विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया

डॉ. अंग्शुमन राहा, परियोजना प्रबंधक (जैव विविधता), नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी

डॉ. चंद्रिमा सिन्हा, कार्यक्रम प्रबंधक, नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी

श्री स्वामी वेदतीतानंद, संवाददाता, रामकृष्ण मिशन

श्री स्वामी महाप्रज्ञानंद, प्रिंसिपल, रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर, बेलूर मठ

सुश्री संजीना गुप्ता, संस्थापक और सीईओ, रंगीन खिड़की फाउंडेशन

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, मुख्य सशक्तिकरण कोच, आईसीबीआई

श्री अनिमेष देब रॉय, आईटी विशेषज्ञ, स्व-रोजगार

इन-हाउस संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षण दिया

श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अरुनांगशु मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

प्रश्नोत्तरी

1. अंतर्देशीय जलयान अधिनियम, 2021 का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

क) हवाई यातायात को विनियमित करना

ख) अंतर्देशीय जल परिवहन का आधुनिकीकरण और विनियमन करना

ग) सड़क परिवहन की निगरानी करना

घ) समुद्री व्यापार को नियंत्रित करना

2. अंतर्देशीय जलयान नियम, 2022 में उल्लिखित आवधिक सर्वेक्षण और निरीक्षण का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि जलयान देखने में आकर्षक हैं।

ख) यह सुनिश्चित करने के लिए कि जलयान सुरक्षा, तकनीकी और पर्यावरणीय मानकों को पूरा करते हैं।

ग) जलयान मालिकों के लिए संचालन की लागत बढ़ाने के लिए।

घ) जलयान संचालकों के वित्तीय अभिलेखों के सत्यापन के लिए।

3. निम्नलिखित में से कौन सा उच्चतम सामान्य रूप है जो डेटाबेस प्राप्त कर सकता है?

क) प्रथम सामान्य रूप (1NF)

ख) द्वितीय सामान्य रूप (2NF)

ग) तृतीय सामान्य रूप (3NF)

घ) बॉयस-कॉर्ड सामान्य रूप (BCNF)

4. भारत में सरकारी कार्यालयों में अभिलेखों के संरक्षण और निपटान को कौन सा कानून नियंत्रित करता है?

क) भारतीय दंड संहिता, 1860

ख) लोक अभिलेख अधिनियम, 1993

ग) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

घ) प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम 1985

5. भारत में ऑडिटिंग प्रक्रिया में बेहतर सटीकता सुनिश्चित करने के लिए आमतौर पर एआई के साथ किस तकनीक का उपयोग किया जाता है?

क) ब्लॉकचेन

ख) 3डी प्रिंटिंग

ग) वर्चुअल रियलिटी

घ) संवर्धित रियलिटी

6. 8 दिसंबर 1930 को राइटर्स बिल्डिंग में दिनेश, विनय बोस और बादल गुप्ता ने किसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी?

क) लॉर्ड कर्जन

ख) जनरल डायर

ग) सिम्पसन

घ) वॉरेन हेस्टिंग्स

7. सुरक्षा ऑडिट का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क) किसी संगठन की वित्तीय स्थिति का आकलन करना

ख) कार्यस्थल पर संभावित सुरक्षा खतरों की पहचान करना और उनका मूल्यांकन करना

ग) विपणन रणनीतियों और बिक्री प्रदर्शन का मूल्यांकन करना

घ) पर्यावरण नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना

8. एक्सेल में, डेटा का दृश्य प्रतिनिधित्व बनाने के लिए किस सुविधा का उपयोग किया जाता है, जैसे बार या पाई चार्ट?

क) आंकड़ा मान्यीकरण

ख) पिवट टेबल

ग) सशर्त स्वरूपण

घ) चार्ट

9. सीएजी दिशानिर्देशों के तहत अनुपालन ऑडिट का प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन सा है?

क) लेखापरीक्षित इकाई की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन

ख) वित्तीय विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना

ग) सरकारी कार्यक्रमों के प्रदर्शन का आकलन

घ) संस्थान की वित्तीय स्थिति का सत्यापन

10. निम्नलिखित में से कौन सा एक विशिष्ट उपकरण है जिसका उपयोग फोरेंसिक ऑडिट में धोखाधड़ी वाले लेनदेन का पता लगाने के लिए किया जाता है?

क) प्रतिगमन विश्लेषण

ख) वित्तीय अनुपात विश्लेषण

ग) डेटा माइनिंग और फोरेंसिक उपकरण

घ) बाजार सर्वेक्षण

उत्तर पृष्ठ संख्या 28 पर दिया गया हैं

प्रश्नोत्तरी के उत्तर

1. ख 6. ग
2. ख 7. ख
3. घ 8. घ
4. ख 9. ख
5. क 10. ग

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

REGIONAL CAPACITY BUILDING AND KNOWLEDGE INSTITUTE, KOLKATA

3RD MSO BUILDING, CGO COMPLEX, 5TH FLOOR (A WING), DF BLOCK, SALT LAKE, SECTOR-1, KOLKATA – 700 064

TELEPHONE NO. 033- 23213907/6708

E-MAIL: RTIKOLKATA@CAG.GOV.IN